

पद ३४२

(राग: यमन जिल्हा - ताल: त्रिताल)

जब मुर्शद ने कान फूँका । खुल गये आँखां मुझे मै देखा । मानिक
कहे गफ़लत का परदा । लेकर दस्त उठाकर फेंका ॥१॥